जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में दूसरे दिन हुए कई रोचक और उत्तेजक सत्र

जयपुर, (का.सं.)। दुनिया के सबसे बड़े साहित्यिक शो जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2024 के दूसरे दिन की शुरुआत होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में, 2 फरवरी की सर्द सुबह में कई रोचक और उत्तेजक सत्रों के साथ हुई। फेस्टिवल का दूसरा दिन राजनीति, जीवनीकार, संगीत, स्टाइल, अध्यात्म और रचनात्मकता के नाम रहा। दिन की शुरुआत फिल स्कार्फ के दिल छू लेने संगीत के साथ हुई। सेक्सोफोन पर जैज़ और पारंपरिक राग की जुगलबंदी प्रस्तुत की। उनका साथ दिया प्रियंक कृष्णा और अनूप बनर्जी ने।

मैं परंपरा का सामना करके लिखता हूं : हर्नाज डियाज

सत्र 'ट्रस्ट' में पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता लेखक हर्नान डियाज ने अपने उपन्यास और लेखकीय सफ़र पर चर्चा की। उन्होंने कहा, "मैं एक टेस्टीमोनियल लेखक नहीं हूं... मेरा लेखन मेरे निजी अनुभवों पर आधारित नहीं है। इसलिए पन्नों पर मुझे ढूँढना बेमानी है, लेकिन... मैं उस तरह का लेखक हूं जो सोचता है कि साहित्य अधिक साहित्य से बनता है, और मैं परंपरा का सामना करके लिखता हूं, उससे पीछे नहीं... मेरा ज्यादातर काम इन कठोर बातों से जुड़ा है और फिर उनमें किसी प्रकार का पुरातात्त्विक हस्तक्षेप उसे और प्रेरित करता है...

यशोधरा ऐसा किरदार है, जिस पर बार-बार लिखा जाना चाहिए : वेनेसा

सुबह के एक सत्र 'यशोधरा एंड वीमेन ऑफ़ द संघ' में श्याम सेल्वादुरै और वेनेसा आर. सेसों ने अपनी किताबों के माध्यम से इतिहास के सबसे अदृश्य व्यक्तित्व 'यशोधरा' पर चर्चा की। बुद्ध की ख्याति अंधेरे में खड़ी यशोधरा की नींव पर बनती है, वो युवा पत्नी जिसे महल में तन्हा छोड़ दिया गया था। यशोधरा पर बात करते हुए अकादमिक वेनेसा ने साझा किया कि उन्होंने काफी बौद्ध साहित्य पढ़ा है, और लगभग किसी में भी यशोधरा पर कुछ नहीं मिलता। जबकि ये एक ऐसा किरदार है, जिस पर बार-बार लिखा जाना चाहिए। ये कहानी एक जीवित कहानी है, जो 2000 साल के इतिहास में लगातार बदलती रही है।

श्याम सेल्वादुरै ने लेखन पर बात करते हुए कहा, लेखन शुरू करने से ज्यादा जरूरी होता है, उस पर टिके रहना। इसके लिए आपके कथ्य में रोचकता और जिज्ञासा होनी चाहिए। यशोधरा अपने आपमें सब कुछ हैं। सत्र संचालन किया लेखिका और कवयित्री अरुंधति सुब्रमनियम ने।

मैंने हमेशा लिखने का आनंद लिया है : मणिशंकर अय्यर

एक दिलचस्प सत्र, 'द मेमोइरिस्ट्स' में वक्ताओं, मणिशंकर अय्यर और गुरुचरण दास ने संस्मरण लिखने की प्रक्रिया से अवगत कराया। दास ने अपने लेखन का रहस्य बताते हुए कहा, "मैं अपने बचपन के बारे में इतनी स्पष्टता से लिख पा रहा हूं, इसका कारण मेरी मां की डायरियां हैं।" अय्यर ने उन क्षणों की याद किया जिनका उन्होंने लिखते समय वास्तव में आनंद लिया था, मैंने हमेशा लिखने का आनंद लिया है। मुझे कभी पता नहीं चला कि कैसे रुकना है।

'सामाजिक विकास और रोजगार में निजी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान'

सत्र 'द एलिफेंट मूव्स: इंडिया'स न्यू प्लेस इन द वर्ल्ड' की शुरुआत अमिताभ कांत और अमित कपूर की नई किताब 'एलिफेंट मूव्स' के लोकार्पण से हुई, जिसका श्रोताओं ने जोरदार तालियों से स्वागत किया। सत्र में पिछले कुछ वर्षों में भारत द्वारा अपने तकनीकी बुनियादी ढांचे और बेहतर शासन संरचनाओं सहित की गई महान प्रगति पर प्रकाश डाला गया, हालांकि यह भी स्वीकार किया गया कि जब सामाजिक विकास और रोजगार की बात आती है तो इसमें निजी क्षेत्र का भी महत्वपूर्ण योगदान है। देश के लिए अपनी आकांक्षाओं में, अमिताभ कांत ने कहा, "भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला का एक बहुत ही अभिन्न अंग बनने की आवश्यकता है"। अमित कपूर ने दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता पर पैनल के विचारों का समर्थन करते हुए कहा, हममें से बहुत से लोग गलती करते हैं, जब हम विकास या प्रगति को सिर्फ एक रेस मान लेते हैं। यह कोई रेस नहीं बल्कि एक मैराथन है।

प्रशंसक गुलज़ार साहब की एक झलक देखने को बेताब थे

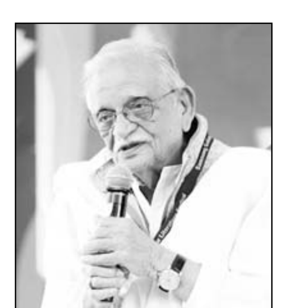

'गुलज़ार साहब' सत्र में यतीन्द्र मिश्र की नई किताब के माध्यम से गुलज़ार साहब के जीवन और समय पर चर्चा हुई। यह किताब पिछले दो दशकों में गुलज़ार साहब और यतीन्द्र मिश्र के संवाद पर आधारित है। इसका अंग्रेजी अनुवाद किया है सत्या सरन ने। गुलज़ार साहब के प्रशंसकों से वेन्यु ठसाठस था, जो गुलज़ार साहब की एक झलक देखने को बेताब थे। गुलज़ार साहब ने भी उन्हें निराश न करते हुए, उनसे दिल खोलकर बात की।

एक अन्य सत्र 'ट्वेल्व सीज़र' में, लोकप्रिय क्लासिकवादी मैरी बियर्ड ने रोमन साम्राज्य के बारे में बात की और हाल के दिनों में व्हाट्स योर रोमन एम्पायर? जैसे टिकटॉक ट्रेंड्स के साथ ये फिर से चर्चा में कैसे आ गया है। बियर्ड ने अपनी रोचक किताब, 'ट्वेल्व सीज़र्स' के बारे में बात की। ऐतिहासिक किरदारों को चित्रित करने की प्रक्रिया पर उन्होंने कहा, "यह चित्रण का मुद्दा है... यह शासक को देखने का एक तरीका है, यह पूरी तरह से इस पर निर्भर नहीं है कि शासक दिखने में कैसा है।" उनके साथ सत्र में थे इतिहासकार पीटर फ्रेंकोपैन।

'लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है, जब उसका आधार सच्चाई पर टिका होता है'

'आइडेंटिटी ट्रैप' सत्र में लेखक यस्चा मोंक, बद्री नारायण और पत्रकार श्रीनिवासन जैन ने पत्रकार प्रज्ञा तिवारी के साथ संवाद में आज के राजनीतिक क्षेत्र में पहचान, विचारों और व्यक्तित्वाद की अंतर्निहित प्रकृति पर चर्चा की। यस्चा मोंक ने जर्मनी में बिताए बचपन, श्वेत विशेषाधिकार, नस्ल अंतर और पश्चिम में नस्ल प्रोत्साहन पर अपना अनुभव साझा किया। पत्रकार श्रीनिवासन जैन ने एक लेखक के रूप में अपने अनुभव और अपनी नई किताब, 'लव जिहाद एंड अदर फिक्शन्स' पर बात की। यह किताब गलत सूचना और अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश के सिद्धांतों से उत्पन्न भारत की उभरती दरारों का एक विस्तृत विवरण है। उन्होंने कहा, "...लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब उसका आधार साझा तथ्यों और साझा सच्चाइयों पर टिका होता है।" कवि और शिक्षाविद बद्री नारायण ने कहा कि दलितों की क्षमता को सही तरह से काम में लाया जाना चाहिए। उन्होंने भारत में सामाजिक द्वंद्वों पर काम करने वाले उच्च जाति के लेखक के रूप में आने वाली चुनौतियों पर भी बात की।

मुझे लगता है कि मैं इतिहास के दुष्टों को पसंद करता हूं : मैकिनटायर

बेस्टसेलिंग इतिहासकार बेन मैकिनटायर की नई नॉन फिक्शन किताब, 'कोल्डिट्ज़: प्रिज़नर्स ऑफ़ द कैसल', इतिहास की सबसे कुख्यात जेल की सच्ची कहानी है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र देशों के अधिकारियों के लिए युद्ध शिविर की जेल के रूप में कोल्डिट्ज़ को इस्तेमाल किया गया, जहाँ से उन्होंने बार-बार भागने का प्रयास किया था। बेन मैकिनटायर ने सत्र की शुरुआत यह कहकर की, "...कोल्डिट्ज़ की वास्तविक कहानी वर्ग, नस्ल, कामुकता, मानसिक स्वास्थ्य और कई अन्य चीजों की कहानी है। सत्र में, मैकिनटायर ने सम्मान के विषय पर प्रकाश डाला जो कहानी में प्रदर्शित किया गया था क्योंकि कोल्डिट्ज़ के जर्मन अधिकारियों ने भी जिनेवा कन्वेंशन के नियमों का सम्मान किया था, यह स्वीकार करते हुए कि कैदियों के पास कुछ अधिकार थे।" मैकिनटायर, जो ज्यादातर युद्ध में जासूसी की भूमिका के बारे में लिखते हैं, ने यह कहकर सत्र समाप्त किया, "मुझे लगता है कि मैं इतिहास के महान पुरुषों या इतिहास के पुरुषों और महिलाओं के बजाय दुष्टों को पसंद करता हूं।"

स्कूली स्टूडेंट्स का आर्ट इंस्टॉलेशन्स बना आकर्षण का केंद्र

जयपुर, (का.सं.)। होटल क्लार्क्स आमेर में चल रहे जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 17वें संस्करण में, स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा तैयार आर्ट इंस्टॉलेशन्स आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। जिसका उद्देश्य समाज में एक नया दृष्टिकोण और बदलाव की लहर लाना है। यह आर्ट इंस्टॉलेशन्स जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा तैयार किए गए हैं।

पहला आर्ट इंस्टॉलेशन, जिसे पर्सपेक्टिव नाम दिया गया है, दर्शाता है कि कैसे हर किसी की अपनी यात्रा होती है और इसे सामाजिक मानदंडों द्वारा सीमित नहीं किया जा सकता है। पेड़ की शाखाओं और कार्डबोर्ड जैसे वेस्ट मटेरियल से बना यह इंस्टॉलेशन जीवंत और रंगीन तितलियों को प्रदर्शित करता है। इस इंस्टॉलेशन की क्यूरेटर कक्षा 12वीं की श्रेया माहेश्वरी और कक्षा 11वीं की आशिका गुप्ता ने कहा कि कलाकृति के माध्यम से, वे यह दर्शाना चाहते थे कि सामाजिक सीमाओं और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद, हर कोई अलग है और तितलियों की तरह ही अपना जीवन जीने के लिए अपना रास्ता स्वयं तय करते हैं।

जेपीआईएस स्टूडेंट्स द्वारा डिस्मेंटल्ड इमोशन्स नामक एक अन्य इंस्टॉलेशन वर्तमान समय में टीनएजर्स की दशा को जटिल रूप से दर्शाता है, कि किस प्रकार से अकेलेपन, अवसाद जैसे भावनात्मक असंतुलन उन्हें प्रभावित करते हैं। रीसाइकिल्ड फाइबर, क्ले, रेजिन, मेटल रॉड जैसी सामग्रियों से बना इन्स्टॉलेशन, विभिन्न रंगों में शरीर के विभिन्न अंगों को प्रदर्शित करता है, जो उनकी अनगिनत भावनाओं को दर्शाती है।

जयपुर जिला कांग्रेस की बैठक में भिड़े नेता और पदाधिकारी

- नई कार्यकारिणी में काम करने वालों को नहीं दी जगह, तिवारी के जयचंदों वाले बयान का भी विरोध
- पहले जयपुर में महेश जोशी और खाचरियावास का खेमा था, अब नए जिला अध्यक्ष ने नया खेमा तैयार किया
- ऐसे में लोकसभा चुनाव से पहले जयपुर में कई विवाद उभरने तय हैं

जयपुर, (का.प्र.)। लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों को लेकर रायशुमारी के लिए बुलाई गई जयपुर शहर कांग्रेस की बैठक में नई कार्यकारिणी को लेकर जोरदार हंगामा हो गया। हंगामा करने वाले नेता हाल ही घोषित जयपुर जिला कार्यकारिणी को लेकर नाराज थे, वहीं कई नेताओं ने 26 जनवरी को दिए गए जिलाध्यक्ष आर.आर. तिवारी के जयचंद वाले बयान पर भी नाराजगी जताई है।

जयपुर लोकसभा में उम्मीदवारों के लिए रायशुमारी तय करने के लिए पर्यवेक्षक बनाई गई पूर्व मंत्री ममता भूपेश और जयपुर जिलाध्यक्ष आर.आर. तिवारी ने शहर कांग्रेस के कार्यालय में लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों पर रायशुमारी को लेकर बैठक बुलाई गई थी। रायशुमारी के लिए, नेताओं को बाहर बैठाया गया था और एक-एक कर नेता अंदर जाकर अपनी राय रख रहे थे। इसी दौरान बगरू विधानसभा क्षेत्र से दावेदारी जाता चुके जयपुर नगर निगम के पूर्व पार्षद महेश कराड़िया ने हंगामा शुरू कर दिया। कराड़िया ने आरोप लगाया कि अभी जो जयपुर शहर जिला कांग्रेस की कार्यकारिणी बनाई गई है, उसमें संगठन के लिए काम करने वालों को स्थान नहीं दिया गया है। इसी के साथ कराड़िया ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष तिवारी की ओर से जयचंद संबोधित करके दिए गए भाषण पर भी ऐतराज जताया।

हंगामा करने वाले महेश कराड़िया ने कहा कि आपने ऐसे ऐसे लोगों को पदाधिकारी बना दिया जिन्होंने काम ही नहीं किया, काम करने वालों को जगह नहीं दी, उन्हें छोड़ दिया। कराड़िया ने आरोप लगाया कि जो संगठन में काम करने वाले है, उन काम करने वालों के बारे में आप सोचते ही नहीं हैं। इस तरह पद देने से आप कैसे चुनाव जीतोगे? आपने हारने का तो पहले ही इंतजाम कर लिया।

महेश कराड़िया जब जोर जोर से बोल रहे थे, उस दौरान जयपुर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने शांत करने की कोशिश की और कहा कि आप सीनियर नेता हो, इस तरह सार्वजनिक रूप से बोलना ठीक नहीं है। अंदर जाकर बात रखिए, लेकिन कराड़िया नहीं माने। कराड़िया शांत करवाने वाले नेताओं से भी उलझ गए और कहा कि 30 साल से पार्टी के लिए, काम कर रहा हूं। इस पर दूसरे पदाधिकारियों ने भी कहा कि हम 50 साल से काम कर रहे हैं, आप इस तरह अपनी ही पार्टी का नुकसान कर रहे हो। आप अपनी और पार्टी की गरिमा खराब कर रहे हो। काफी देर तक नेताओं के बीच नोकझोंक चलती रही।

दरअसल यह हंगामा जयपुर शहर कांग्रेस की गुटबाजी का ही नतीजा है पहले जयपुर शहर में दो पूर्व मंत्रियों महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास के बीच खेमेबाजी स्पष्ट नजर आती थी। अब जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए आरआर तिवारी का नया खेमा बन गया है। हाल ही जो जिला कार्यकारिणी बनी है, उसमें भी पूर्व मंत्रियों के अधिकांश समर्थकों को बाहर कर दिया गया है और तिवारी ने अपने समर्थकों को कार्यकारिणी में पूरी तवज्जो दी है। यह खेमेबाजी उसे दिन और ज्यादा बढ़ गई थी जब गणतंत्र दिवस के मौके पर महेश जोशी, विधायक रफीक खान और अमीन खान सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में तिवारी ने चुनाव हारने वालों को जयचंद कहकर इनसे बचने की सलाह दी थी।

'किसान के बेटे ने सदन में विपक्ष के छक्के छुड़ाए'

जयपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा भगवान और सनातन में विश्वास करने वाली पार्टी है। जबकि कांग्रेस ने तो भगवान श्री राम तक को काल्पनिक बताया था। कांग्रेस के आला पदाधिकारी राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अशोक गहलोत तक ने राम सेतु को लेकर सवाल उठाए। वहीं राम को काल्पनिक बताने वाले कांग्रेसी नेताओं को आलाकमान ने राम के पक्ष में बोलने तक के लिए मना किया जा रहा है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा सहित तमाम कांग्रेसी नेता राम को नकार रहे हैं। जबकि साफ है कि संपूर्ण सृष्टि भगवान से चल रही है। उस पर भाजपा क्या, सबका विश्वास टिका हुआ है। भाजपा ने प्रभु श्री राम को स्वीकार किया और कांग्रेस ने सिरे से नकार दिया।

गोठवाल ने कहा कि एक किसान का बेटा गांव से चलकर पहली बार विधायक बना और प्रदेश के मुखिया के तौर पर कमान संभालते हुए सदन में विपक्ष के छक्के छुड़ा दिए। इससे कांग्रेस की पीड़ा सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि सीएम ने एक के बाद एक वादों को पूरा करना शुरू कर दिया। सरकार बनने के साथ ही जनता से किए वादों पर अमल किया और जन हितैषी कार्य लागू कर दिए। फिर चाहे 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर योजना हो, पेपर लीक में मामले में एसआईटी का गठन हो या फिर कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव से पूर्व 6 माह में किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए कमेटी बनाने का मामला हो।

पिछले 10 वर्षों में भारत ने लाल चौक से लेकर चंद्रमा तक तिरंगा फहराया : बोहरा

जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने शुक्रवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लिया।

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने शुक्रवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लिया। सांसद बोहरा ने बताया कि किस तरह से मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में भारत का सर्वांगीण विकास हुआ है। मोदी की नजर में केवल चार ही जातियां हैं गरीब, किसान, युवा और महिला इन सभी जातियों के उत्थान का कार्य मोदी सरकार के कार्यकाल में हुआ है। पिछले 10 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाल चौक से लेकर चंद्रमा तक तिरंगा फहराया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार हर युवा, महिला, किसान एवं गरीब के घर तक पहुंची है। आयुष्मान भारत योजना से पूरे भारतवर्ष में लोगों को फ्री इलाज मिल रहा है। किसान सम्मान निधि से किसानों को वास्तव में सम्मान मिला है। अब तक 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में पहुंची है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ 10 लाख गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं, देश में 10 करोड़ मुफ्त उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिए गए हैं, 11 करोड़ शौचालय का निर्माण हुआ है, लगभग 11 करोड़ गरीब परिवारों के घर में नल से शुद्ध जल पहुंचा है। देश के युवा रोजगार लेने वाले नहीं रोजगार देने वाले बने हैं।

बेढम की मेघवाल से मुलाकात

जयपुर। गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट की। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने शुक्रवार को यहां जयपुर स्थित अरण्य भवन में वन विभाग के उच्च अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली, बैठक में उन्होंने जिला स्तर के अधिकारियों से वन विभाग द्वारा कराये जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

श्वेत कुष्ठ रोग में आयुर्वेद की महती उपयोगिता : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार/जयपुर, (का.सं.)। पतंजलि मेलानोग्रिट दवा का अनुसंधान दुनिया के प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल बायोसाइंस रिपोर्ट्स के कवर पेज पर प्रकाशित यह रिसर्च जर्नल 100 वर्षों से भी अधिक स्थापित बायोकेमिकल सोसायटी, यू.के. के अंतर्गत आता है, जो कि जैव विज्ञान तकनीकों को आगे बढ़ाने तथा सरकारी नीतियों से लेकर अकादमिक व्यवस्थाओं को बढ़ावा देने में वैश्विक सकारात्मक भूमिका निभाती है।

पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुर्वेद में त्वचा के सफ़ेद दाग के लिए पहली बार इतना गहन अनुसन्धान हुआ है, और इसका श्रेय पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों को जाता है। इस अध्ययन में मेलानोग्रिट की चिकित्सकीय क्षमता का आकलन किया गया और पाया कि मेलानोग्रिट त्वचा में सफेद दागों के फैलाव को बेअसर करता है, साथ ही 1610 कोशिकाएं, जो त्वचा में मेलेनिन का उत्पादन करती हैं, उनमें मेलेनिन की सतत वृद्धि करता है।

विज्ञान की भाषा में कहे तो मेलानोग्रिट, मेलानोजेनेसिस प्रक्रिया के निर्णायक जीन और 1 की ट्रांसक्रिप्शनल रूप से वृद्धि करता है; जो कि बढ़ी हुई गतिविधि द्वारा प्रतिबिंबित भी होता है। इन निष्कर्षों से यह पता चलता है कि मेलानोग्रिट को कम कर के प्रोटीन स्तर (ट्रांसलेशनल लेवल) को भी बढ़ाता है।

ज्वैलर को लूटने का प्रयास

जयपुर। हरमाड़ा इलाके में नकाबपोश बदमाशों द्वारा एक ज्वैलर्स से लूटपाट करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि डंडो से ताबड़तोड़ वार कर ज्वैलर को बदमाशों ने घायल कर दिया। ज्वैलर के शोर मचाने पर बैग छोड़ बदमाश फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिलने पर इलाके में नाकाबंदी करवाई, लेकिन बाइक सवार लुटेरों का सुराग नहीं लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि बालाजी विस्तार हरमाड़ा निवासी जितेन्द्र कुमार ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी नींदड़ मोड पर यश ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। रोज की तरह वह रात को दुकान मंगल करके जा रहे थे। दुकान से बैग में साढ़े तीन लाख रुपए की ज्वैलरी लेकर माचड़ा तिराहा होकर बाइक से घर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान तिराहे पर पहले से खड़े दो बदमाशों ने डंडे से वार कर बाइक सहित नीचे गिरा दिया।

निर्माण कार्य ऐसे हों जिससे प्राकृतिक संतुलन भी बना रहे : जहीर

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर एग्जीबिशन एण्ड कन्वेंशन सेन्टर (जेईसीसी) सीतापुरा में चल रहे इण्डिया स्टोनमार्ट-2024 के 12वें संस्करण के दूसरे दिन शुक्रवार को बायर्स और सेलर्स के बीच जहां चर्चा के दौर चले वहीं आज इस आयोजन में जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल (जेएएफ) के 5वें संस्करण का भी शुभारंभ हुआ। जिसमें बांग्लादेश के प्रमुख आर्किटेक्ट एमडी इस्तिहाक जहीर प्रमुख वक्ता रहे।

जहीर ने कहा, "हमें अपने प्रोजेक्ट्स में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन को इस तरह से सुविधाजनक बनाना चाहिए जो शहरी पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण की रक्षा और सुधार करे, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करे और पारिस्थितिकी तंत्र आधारित समाधानों को बढ़ावा दे।" उन्होंने अपने गुरु मुज़हरुल इस्लाम के उद्धरण को भी उद्धृत किया कि 'एक वैश्विक आदमी और एक स्थानीय वास्तुकार बनें'। उन्होंने बांग्लादेश में प्रकृति के अनुरूप बनाई गई विभिन्न परियोजनाओं की तस्वीरें भी दिखाई। इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर (जेएएफ) राजस्थान चैप्टर के उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष तुषार सोगानी ने कहा कि राजस्थान पत्थरों की भूमि है साथ ही उन्होंने टिकाऊ पत्थरों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

राजस्थान के पत्थर कारीगरों ने शिल्पग्राम में अपनी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया है, जिन्हें देखने काफी दर्शकों का जमावड़ा लगा रहा।

गांजा सप्लायर को पुलिस ने दबोचा

जयपुर। माणक चौक और जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर(डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है और उसके पास से एक किलो नौ सौ ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपी तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत माणक चौक थाना पुलिस और सीएसटी उत्तर ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले विष्णु कुमार मिश्रा (29) निवासी टहला जिला अलवर को थाना इलाके में स्थित चांदी की टकसाल के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक किलो नौ ग्राम गांजा जब्त किया गया है जो जयपुर में सप्लाई करने आ रहा था।

सरकार के आदेश के बावजूद जे.डी.ए. से नहीं हटाए आधे से ज्यादा टाउन प्लानर!

राज्य सरकार ने पिछले दिनों आदेश जारी कर तमाम सरकारी महकमों से सेवानिवृत्त व संविदा पर लगे कार्मिकों को तुरंत हटाने के आदेश दिए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के तमाम सरकारी महकमों में लगे हुए सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों और प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा लगे हुए कार्मिकों को हटाने का आदेश दिया था, इसके बावजूद जयपुर विकास प्राधिकरण में आधे से ज्यादा टाउन प्लानर्स को नहीं हटाया गया है। नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी इस संबंध में आदेश दिया था, इसके बाद स्वायत्त शासन निदेशक सुरेश ओला ने ऐसे सभी कार्मिकों को हटाकर इसकी पालना रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किया था। इसके बावजूद जेडीए का महकमा सरकार के आदेशों की धज्जियां उडाने में लगा हुआ है।

सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार के आदेश के बाद कई सरकारी विभागों में कार्यरत सेवानिवृत्त कार्मिक और पिछले दरवाजे से एजेंसियों के जरिए लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों को हटाया गया। पुलिस और स्वायत्त शासन विभाग समेत कई विभागों में सैकड़ों लोगों की छुट्टी कर दी गई। लेकिन, जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में टाउन प्लानिंग विंग के आधे लोग ही हटाए गए, इससे हटाए गए टाउन प्लानर्स और अन्य लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

हटाए गए कार्मिकों का कहना है कि राज्य सरकार के आदेश के तहत सभी लोगों को हटाया जाना चाहिए था। लेकिन, जेडीए के अफसरों ने अपने चहेते लोगों को रोक लिया जबकि बाकी लोगों को हटा दिया गया। अब वे लोग हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। हटाए गए लोगों का आरोप है कि नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत भ्रष्टाचार रोकने के लिए जबरदस्त कार्य कर रहे हैं। लेकिन, जेडीए के अफसर जानबूझकर उनके आदेशों की अनदेखी करने के साथ ही उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

आरोप है कि जेडीए टाउनशिप विंग में जिन टाउन प्लानर्स को रोका गया है, उनमें कई तो ऐसे हैं जो खुद के या धर्म पत्नी के नाम से कंपनी अथवा फर्में चला रहे हैं। इन लोगों की आयोजना शाखा में जबरदस्त सांठगांठ है। हटाए गए अरबन प्लानर कह रहे हैं कि जिन अरबन प्लानर्स को रेशनालाइजेशन के नाम पर रोका गया है, उनमें उन्होंने किए वही काम किए हैं, जो हम लोगों ने किए थे। लेकिन, इनमें अधिकतर नियमित नगर नियोजकों के दिलों के काफी करीब हैं। सूत्रों की मानें तो इन दिनों जेडीए में लैंड फॉर लैंड के प्रकरणों की सूची तैयार की जा रही है। इसमें करीब 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा की जमीनों का आवंटन जांच के दायरे में है।

वहीं दूसरी ओर टाउन प्लानिंग शाखा के अधिकारियों का कहना है कि खाली पदों के कारण 17 अरबन प्लानर्स को रोका गया है। राज्य सरकार के आदेश के तहत संविदा पर काम कर रहे कुल 20 टाउन प्लानर्स को हटाया गया है।

इनमें 17 जेडीए में और 3 मंत्रालय में काम कर रहे है। जेडीए में जो पद खाली थे, उनके हिसाब से 17 लोगों को रोका गया है। रिटायरमेंट के बाद और संविदा पर लगे कार्मिकों को पूरी तरह हटाने या रोकने के स्पष्ट आदेश नहीं थे। जेडीए का काम प्रभावित ना हो, इसलिए कुछ लोगों को अभी नहीं हटाया गया है।